आरती श्री नेमिनाथ भगवान की

ॐ जय नेमिनाथ स्वामी, प्रभु जय नेमिनाथ स्वामी
तुम हो भवदधि तारक-२, अन्तर के यामी।
ॐ जय नेमिनाथ स्वामी.....

समवशरण में आप विराजे, खिरे मधुर वाणी-स्वामी..
सुनभवि परम तत्व को पावत-२, सुख सम्यक् ज्ञानी।
ॐ जय नेमिनाथ स्वामी.....

यक्ष यक्षिणी चँवर ढ़ोरते, महिमा अब जानी-स्वामी...
तीन छत्र सिर पर तुम सोहे, ध्यावत मुनि ध्यानी।।
ॐ जय नेमिनाथ स्वामी.....

अन्तरिक्ष में आप विराजे, तीन लोक नामी-स्वामी...
चरण कमल में शीश नवावत्, गणधर के स्वामी।
ॐ जय नेमिनाथ स्वामी.....

बाल ब्रह्मचारी व्रत आगर, निज आतम ध्यानी-स्वामी.
परब्रह्म परमेश्वर तुम हो, ब्याही शिवरानी।।
ॐ जय नेमिनाथ स्वामी.....

पशुओं की तुम बन्द छुड़ाई, परम शान्त दानी-स्वामी..
'छोटे' को प्रभु पार लगा दो, हे त्रिभुवन नामी।।
ॐ जय नेमिनाथ स्वामी.....

ॐ जय नेमिनाथ स्वामी, प्रभु जय नेमिनाथ स्वामी।।